

12.3.22

~~पनामी द्वारा राजस्थान सरकार से प्राप्त  
 हुई प्रतिलिपि का। न्या की फॉल से DR गौरी  
 ने कानूननामा का एक प्रतिलिपि जवाब दे दिया।  
 वादी तथा एक प्रतिकारीगण ने एक डायरी  
 राजीनामा दे दिया, वादी गण की फरियाल  
 कमील वादी तथा प्रतिकारीगण की फरियाल  
 कमील प्रतिकारी हाप की गई। राजीनामा  
 नहीं किया जाकर शांति मिल गया।  
 राजीनामा काबुल कर, वादीगण स्वीकार  
 किया गया। विद्वान निर्णय प्रक से लिया  
 जाकर शांति मिल गया।~~

पनामी के न लक्ष्मी से जाकर 013  
 लक्ष्मी न दारिद्र्य दण्ड (सी)

Neema nagur  
 rikunagar

27.3  
 एरि 2014 का 12  
 उम पुलाहा नागर

गिररीण  
 की तर फल

27.3  
 10.





सुश्री अंजना सहरावत (आर.ए.एस.) उपखण्ड अधिकारी  
सांगोद जिला कोटा

प्रकरण संख्या : 9 / 2022

तारीख दायरा:- 10.02.2022

उनवान

1. मोहित नागर पुत्र श्री हरिप्रसाद जाति धाकड निवासी कांगन्था।
2. निखिल नागर पुत्र श्री प्रेमप्रकाश जाति धाकड निवासी कांगन्था।
3. कृष्णा नागर पुत्र प्रेमप्रकाश जाति धाकड नाबालिग की वली माता श्रीमती मीना नागर पत्नी श्री प्रेमप्रकाश जाति धाकड निवासी कांगन्था।
4. ईशान्त नागर पुत्र श्री गिरिज प्रसाद जाति धाकड नाबालिग की वली श्रीमती रिकू नागर पत्नी श्री गिरिज प्रसाद जाति धाकड निवासी ग्राम कांगन्था तहसील सांगोद जिला कोटा।

बनाम

-वादीगण

1. हरिप्रसाद पुत्र श्री छीतरलाल जाति धाकड निवासी ग्राम कांगन्था।
2. प्रेमप्रकाश पुत्र श्री छीतरलाल जाति धाकड निवासी ग्राम कांगन्था।
3. गिरिज प्रसाद पुत्र श्री छीतरलाल जाति धाकड निवासी ग्राम कांगन्था।
4. छीतरलाल पुत्र श्री रामनारायण जाति धाकड निवासी ग्राम कांगन्था।
5. राज्य सरकार जरिये लैण्ड होल्डर तहसीलदार सांगोद जिला कोटा। -प्रतिवादीगण

दावा अन्तर्गत धारा 88, 89, 53, 188 आर. टी. एक्ट 1955

उपस्थित :-

1

सांगोद सांगोद  
धारा 88 (अंश)

श्री नरेश कुमार गौतम (वकील वादीगण)

दिनांक :- 12.03.2022

श्री सरय्यार पेंरोकार

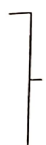
--- निर्णय ---

प्रकरण के तथ्य इस प्रकार से है कि वादीगण व प्रतिवादी कं. 1 लगायत 4

प्रकरण के सदस्य हैं जिनका खानदानी शजरा निम्न है :-

कई ही संयुक्त हिन्दू परिवार के सदस्य हैं जिनका खानदानी शजरा निम्न है :-

स्व. नाथूलाल



स्व. गजानंद स्व. रामनारायण

पुत्र पुत्र



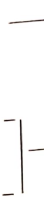
छीतरलाल

पुत्र



हरिप्रसाद प्रेमशंकर गिरिजाल सावित्रीबाई आशाबाई सीताबाई

पुत्र पुत्र पुत्र पुत्री पुत्री पत्नी



मोहित निखिल कृष्णा ईशान्त

पुत्र पुत्र पुत्र पुत्र

वादीगण ने वादपत्र में यह भी अंकित किया कि स्वर्गीय श्री रामनारायण

पुत्र श्री नाथूलाल जी से उत्तराधिकार में प्राप्त हाल खसरा नंबर 57 रकबा 0.08

हैक्टर, खसरा नंबर 74 रकबा 0.06 हैक्टर, खसरा नंबर 77 रकबा 0.04 हैक्टर, खसरा

नंबर 143 रकबा 0.60 हैक्टर, खसरा नंबर 250/527 रकबा 0.70 हैक्टर, खसरा नंबर

हैक्टर, खसरा नंबर 251 रकबा 0.60 हैक्टर, खसरा नंबर 285 रकबा  
0.13 हैक्टर, खसरा नंबर 307 रकबा 0.20 हैक्टर, खसरा नंबर 310 रकबा 1.05 हैक्टर,  
खसरा नंबर 311 रकबा 0.22 हैक्टर, खसरा नंबर 312 रकबा 0.01 हैक्टर, खसरा नंबर  
313 रकबा 0.01 हैक्टर, खसरा नंबर 394 रकबा 4.40 हैक्टर, खसरा नंबर 406 रकबा  
0.28 हैक्टर, खसरा नंबर 411 रकबा 8.34 हैक्टर पुरतैनी आराजी माल ग्राम कांगन्या

सीताबाई संगोद जिला कोटा में स्थित है जिसमें से सहखातेदार सावित्रीबाई, आशाबाई  
व सीताबाई स्वयं का सम्पूर्ण हिस्सा 3/7 व प्रतिवादी कं. 4 द्वारा स्वयं के हिस्सा

1/7 का 1/2 अर्थात् 1/14 हिस्सा तर्क कर देने से वादग्रस्त आराजी में प्रतिवादी

कं. 1, 2, 3 का प्रत्येक का 13/42-13/42 हिस्सा निहित है एवं प्रतिवादी कं. 4 का

1/14 हिस्सा निहित है। वादपत्र की चरण संख्या 2 में अंकित आराजी वादीगण व

प्रतिवादी कं. 1 लगायत 4 को अपने पूर्वजों से प्राप्त पुरतैनी आराजी हैं जिसमें

जन्मजात अधिकार प्राप्त होने से वादी कं. 1 को अपने पिता की हिस्सा आराजी में

प्रतिवादी कं. 1 के साथ बांट-बराबर का हक अधिकार प्राप्त है एवं वादी कं. 2, 3 को

अपने पिता की हिस्सा आराजी में प्रतिवादी कं. 2 के साथ बांट-बराबर का हक

अधिकार प्राप्त है तथा इसी प्रकार वादी कं. 4 को अपने पिता की हिस्सा आराजी में

प्रतिवादी कं. 3 के साथ बांट-बराबर का हक अधिकार प्राप्त है तथा उक्त पैलूक

हिस्सानुसार वादीगण अपनी आराजी को पृथक से प्राप्त करने के विधिक अधिकारी हैं

तथा वादीगण व प्रतिवादी कं. 1 लगायत 4 परिवारिक विभाजन के अनुसार आपसी

सहमति से निम्न प्रकार से मौके पर पृथक-पृथक काश्त करते चले आ रहे हैं :-

आराजी हिस्सा व कब्जा वादी कं. 1 हिस्सा 1/2 व प्रतिवादी कं. 1 हिस्सा

<u>ख.नं.</u>	<u>एकबा</u>
74	0.06 में से 0.03 हैक्टर दक्षिणी
143	0.60 में से 0.49 हैक्टर उत्तरी
393	0.01 हैक्टर
394	4.40 हैक्टर
406	0.79 हैक्टर
411	8.34 में से 0.97 उत्तरी-पश्चिमी कोने

की सडक से संलग्न मय ट्यूबवेल

कुल किता 6 की कुल 6.69 हैक्टर

ब. आराजी हिस्सा व कब्जा वादी कं. 2, 3 हिस्सा 2/3 व प्रतिवादी कं. 2 हिस्सा

1/3 :-

<u>ग्राम</u>	<u>ख.नं.</u>	<u>एकबा</u>
कांगन्या	74	0.06 में से 0.03 हैक्टर उत्तरी
	77	0.04 हैक्टर
	143	0.11 हैक्टर
	411	8.34 में से 7.37

कुल किता 4 की कुल 7.55 हैक्टर

स. आराजी हिस्सा व कब्जा वादी कं. 4 हिस्सा 1/2 व प्रतिवादी कं. 3 हिस्सा 1/2 :-

<u>ग्राम</u>	<u>ख.नं.</u>	<u>एकबा</u>
कांगन्या	250	8.13 हैक्टर
	250/527	0.70 हैक्टर
	285	0.11 हैक्टर

कुल किता 3 की कुल 8.94 हैक्टर

द. आराजी हिस्सा व कब्जा प्रतिवादी कं. 4 :-

ग्राम	ख.नं.	रकबा
कांगान्या	57	0.08 हैक्टर
	251	0.60 हैक्टर
<hr/>		
कुल किता 2 की कुल 0.68 हैक्टर		

य. आराजी हिस्सा व कब्जा प्रतिवादी कं. 2 हिस्सा 1/3 व प्रतिवादी कं. 4 हिस्सा 2/3 :-

ग्राम	ख.नं.	रकबा
कांगान्या	307	0.20 हैक्टर
	310	1.05 हैक्टर
	311	0.22 हैक्टर
	312	0.01 हैक्टर
<hr/>		
कुल किता 4 की कुल 1.48 हैक्टर		

वादी ने यह भी अंकित किया कि वादपत्र की चरण संख्या 3 अनुसार मौके पर वादीगण व प्रतिवादी कं. 1 लगायत 4 पृथक-पृथक काशत करते चले आ रहे हैं किन्तु उक्तानुसार राजस्व रिकार्ड में इन्द्राज नहीं होने के कारण वादीगण को अपनी-अपनी हिस्सा आराजी में कृषि विकास कार्य करवाने व अन्य सरकारी कृषि योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में परेशानी का सामना करना पड़ता है। उक्त संबंध में वादीगण द्वारा प्रतिवादीगण से गत सप्ताह राजस्व रिकार्ड के इन्द्राजात को दुरुस्त करवाने को निवेदन किया तो प्रतिवादी कं. 4 ने उक्तानुसार राजस्व रिकार्ड को दुरुस्त करवाने से इन्कार कर दिया जिसके कारण वादीगण के लिए माननीय न्यायालय में

वादपत्र बाबत घोषणा, इन्द्राज दुरुस्ती, विभाजन व स्थाई निषेधाज्ञा प्रस्तुत करना आवश्यक हो गया है। अतः वादपत्र की चरण संख्या 3 के खण्ड अ, ब, स, द, य में वर्णित पारिवारिक विभाजन व मौके के कब्जाकाशत अनुसार वादीगण व प्रतिवादी क्रं. 1 लगायत 4 को खातेदार काशतकार घोषित किया जाकर उक्तानुसार खाता विभाजन व लगान राज पृथक-पृथक किया जावे तथा उक्तानुसार राजस्व रिकार्ड में अमल दरामद किया जावे। वादपत्र की चरण संख्या 3 में अंकित वादीगण के संयुक्त उपयोग-उपभोग एवं शान्तिपूर्ण संयुक्त काशत में प्रतिवादी क्रं. 1 लगायत 4 किसी प्रकार से मदाखलत, मजामहत, क्षति, नुकसान कारित नहीं करें एवं आराजी को किसी प्रकार से खुर्दबुर्द, रहन, विक्रय, दान व अन्य प्रकार से हस्तान्तरण न करें। उक्त कृत्य न तो प्रतिवादीगण स्वयं करें न ही अपने नौकरों, एजेन्टों से करावें।

उक्त आशय का वादपत्र प्रस्तुत होने पर वादपत्र दर्ज रजिस्टर किया जाकर प्रतिवादीगण को जरिये सम्मन तलव किया गया। वाद तलबी उभय पक्षकारों द्वारा जवाबदावा इकवाली व राजीनामा प्रस्तुत कर दावा वादीगण स्वीकार करने में सहमति व्यक्त की। राजीनामा पक्षकारान तस्दीक किया गया। वहस उभय पक्षकारान सुनी गई। पत्रावली पर उपलब्ध रिकार्ड, दस्तावेज व पक्षकारान द्वारा प्रस्तुत राजीनामा के आधार पर वाद वादीगण स्वीकार करना उचित समझती हूँ।

अतः वाद वादी स्वीकार कर माल ग्राम कागन्या तहसील सांगोद की वादग्रस्त आराजी का निम्न प्रकार से पृथक-पृथक खातेदार काशतकार घोषित किया जाता है :-

उपखण्ड नॉजस्टेट  
सांगोद (रा.रा.)

अ. आराजी हिस्सा व कब्जा वादी कं. 1 हिस्सा 1/2 व प्रतिवादी कं. 1 हिस्सा 1/2 :-

<u>ग्राम</u>	<u>ख.नं.</u>	<u>रकबा</u>
कांगान्या	74	0.06 में से 0.03 हैक्टर दक्षिणी
	143	0.60 में से 0.49 हैक्टर उत्तरी
	393	0.01 हैक्टर
	394	4.40 हैक्टर
	406	0.79 हैक्टर
	411	8.34 में से 0.97 उत्तरी-पश्चिमी कोने
		की सड़क से संलग्न मय ट्यूबवेल
<hr/>		
		कुल किता 6 की कुल 6.69 हैक्टर

ब. आराजी हिस्सा व कब्जा वादी कं. 2, 3 हिस्सा 2/3 व प्रतिवादी कं. 2 हिस्सा 1/3 :-

<u>ग्राम</u>	<u>ख.नं.</u>	<u>रकबा</u>
कांगान्या	74	0.06 में से 0.03 हैक्टर उत्तरी
	77	0.04 हैक्टर
	143	0.11 हैक्टर
	411	8.34 में से 7.37
<hr/>		
		कुल किता 4 की कुल 7.55 हैक्टर

स. आराजी हिस्सा व कब्जा वादी कं. 4 हिस्सा 1/2 व प्रतिवादी कं. 3 हिस्सा 1/2 :-

<u>ग्राम</u>	<u>ख.नं.</u>	<u>रकबा</u>
कांगान्या	250	8.13 हैक्टर
	250/527	0.70 हैक्टर
	285	0.11 हैक्टर
<hr/>		

कुल किता 3 की कुल 8.94 हैक्टर

द. आराजी हिस्सा व कब्जा प्रतिवादी कं. 4 :-

<u>ग्राम</u>	<u>ख.नं.</u>	<u>रकबा</u>
कांगन्या	57	0.08 हैक्टर
	251	0.60 हैक्टर
<hr/>		
कुल किता 2 की कुल		0.68 हैक्टर

य. आराजी हिस्सा व कब्जा प्रतिवादी कं. 2 हिस्सा 1/3 व प्रतिवादी कं. 4 हिस्सा 2/3 :-

<u>ग्राम</u>	<u>ख.नं.</u>	<u>रकबा</u>
कांगन्या	307	0.20 हैक्टर
	310	1.05 हैक्टर
	311	0.22 हैक्टर
	312	0.01 हैक्टर
<hr/>		
कुल किता 4 की कुल		1.48 हैक्टर

उक्तानुसार पक्षकारान को पृथक-पृथक खातेदार काश्तकार घोषित किया जाता है। उक्तानुसार राजस्व रिकार्ड में अमल दरामद किया जावे। विवादित आराजी पर रहन भार होने की स्थिति में बैंक चार्ज पृथम होने के कारण रहन भार यथावत रहेगा। तदनुसार अन्तिम डिक्री मुर्तिब की जावे।

निर्णय आज दिनांक 12.03.2022 को खुले न्यायालय में लिखाया जाकर सुनाया गया।

(अंजना सहरावत)  
उपखण्ड अधिकारी सांगोद